



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 399]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 29, 1981/भाद्र 7, 1903

No. 399]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 29, 1981/BHADRA 7, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मन्त्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1981

धन-कर

का०भा० 674 (अ) — केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धन-कर नियम, 1957 में कतिपय और
संशोधन करना चाहती है। प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप
उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा
है जिनके उनमें प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है
कि उक्त प्रारूप नियम पर 15-10-81 तारीख को या उसके पश्चात्
विचार किया जाएगा।

उक्त तारीख के पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की वाचन जो भी प्राप्ति
या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड उन पर
विचार करेगा।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम धन-कर (संशोधन) नियम,
1981 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1982 को प्रवृत्त होंगे।

2 धन-कर नियम, 1957 में, —

नियम 1 क में, —

- (1) खण्ड (क) में "और आय-कर के लिए प्रभावी है" शब्दों के
पश्चात् "या जिसकी भास्तियों में मुख्य रूप से ऐसी भास्तियाँ
समाविष्ट हैं जैसे भूमि, भवन, सोना-चाँदी, आभूषण, शेयर,
स्टॉक और प्रतिभूतियाँ" शब्द अन्तः स्थापित किए जाएँगे।
- (2) खण्ड (ठ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखे जाएँगे, अर्थात्—
- (ठ) किसी कम्पनी के साधारण शेयर या अधिमानी शेयर के संबंध
में "स्टॉक एक्सचेंज में नियमित रूप से कोट किए गए शेयर"
से निम्नलिखित अभिप्रेत है —
- (i) भारत में किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में समय-समय
पर नियमित रूप से कोट किया गया शेयर; और
- (ii) ऐसे शेयर का कोट किया जाना शारदार के साधारण अनुक्रम
में किए गए चालू संव्यवहारों पर आधारित है
- (एक) "कोट न किए गए शेयर" से ऐसा साधारण शेयर या अधि-
मानी शेयर अभिप्रेत है जो भारत में किसी मान्यताप्राप्त
स्टॉक एक्सचेंज में नियमित रूप से कोट नहीं किया जाता है
और इसके अन्तर्गत नियम 1 ड. के स्पष्टीकरण के अधीन
आने वाला वह शेयर भी है, जो कोट न किया गया शेयर
समझा जाता है, "

(ख) नियम 1घ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

विनिधान कंपनियों में भिन्न कंपनियों के कोट न किए गए साधारण शेयरों का मूल्यांकन

“1घ (1) धारा 7 की उपधारा (1) के प्रयोजनार्थ, विनिधान कंपनियों में भिन्न कंपनियों के कोट न किए गए साधारण शेयर का मूल्य निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जायगा, अर्थात् :—

(i) ऐसी कम्पनी के तुलन पत्र में यथावर्षित सभी दायित्वों के मूल्य की उस तुलन पत्र में दर्शित उसकी सभी आयुक्तियों के मूल्य में से कटौती की जाएगी ;

(ii) खण्ड (1) के अनुसार निकाली गई शुद्ध रकम को तुलन पत्र में दर्शित समादत्त साधारण शेयर पूंजी की कुल रकम में विभाजित किया जाएगा ;

(iii) खण्ड (ii) के अनुसार निकाली गई रकम को प्रत्येक साधारण शेयर के समादत्त मूल्य से गुणा किया जाएगा और परिणामी रकम प्रत्येक शेयर का विभलेपित मूल्य होगी ;

(iv) खण्ड (iii) के अनुसार निकाले गए शेयर के विभलेपित मूल्य को कंपनी के कोट न किए गए साधारण शेयर का मूल्य निकालने के लिए यहाँ इसके नीचे संगणित रकम द्वारा यथा-स्थिति घटा या बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात् :—

(क) जहाँ औसत वितरण योग्य आय समादत्त विभलेपित मूल्य, उसके बीच पूंजी और आरक्षितियों के पांच प्रतिशत प्रतिशत के बराबर रकम से अधिक नहीं है

(ख) जहाँ औसत वितरण योग्य आय समादत्त विभलेपित मूल्य, उसके पूंजी और आरक्षितियों के पांच प्रतिशत इस प्रतिशत के बराबर रकम से अधिक है किन्तु दस प्रतिशत से रकम से घटा दिया जाएगा ;

(ग) जहाँ औसत वितरण योग्य आय, समा- विभलेपित मूल्य, उसके दस दस पूंजी और आरक्षितियों के दस प्रतिशत के बराबर रकम प्रतिशत से अधिक हो किन्तु बीस प्रति- से बढ़ा दिया जायगा ;
शत से अधिक नहीं है

(घ) जहाँ औसत वितरण योग्य आय समादत्त विभलेपित मूल्य, उसके पूंजी और आरक्षितियों के बीच प्रतिशत बीस प्रतिशत से बढ़ा दिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण—इस नियम और नियम 1ड के प्रयोजनार्थ—

(1) “आयुक्तियों” के अन्तर्गत कम्पनी के स्वामित्वाधीन हर प्रकार की जंगम अवस्था स्थावर सम्पत्ति भी है, किन्तु इसके अन्तर्गत—

(क) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209क और धारा 210 के अधीन अधिम कर के रूप में संवत्त रकम ;

(ख) तुलन पत्र में दर्शित कोई रकम जिसमें लाभ और हानि लेखा या लाभ और हानि विनियोजन लेखा के नाम पर पक्ष का अति-शेष भी सम्मिलित है, जो किसी आस्ति के मूल्य के रूप में नहीं है ;

(ii) “औसत वितरण योग्य आय” से मूल्यांकन की तारीख को समाप्त होने वाले उस लेखा वर्ष के लिए जिसके लिए सुसंगत तुलनपत्र तैयार किया गया है कम्पनी की औसत वितरण योग्य आय और ठीक पूर्ववर्ती दो लेखा वर्षों की वितरण योग्य आय अभिप्रेत है ;

(iii) किसी कम्पनी के संबंध में “तुलनपत्र” से ऐसी कम्पनी का वह तुलनपत्र अभिप्रेत है जो मूल्यांकन की तारीख को तैयार किया गया है और जहाँ ऐसा कोई तुलनपत्र नहीं है वहाँ, वह तुलनपत्र अभिप्रेत है

जो मूल्यांकन की तारीख से ठीक पूर्व तैयार किया गया है तथा दोनों के न होने पर, वह तुलनपत्र अभिप्रेत है जो मूल्यांकन के तारीख के ठीक पश्चात् तैयार किया गया है ;

(iv) किसी कम्पनी के लेखा वर्ष के संबंध में “वितरण योग्य आय” के उस वर्ष के उसके लाभ और हानि लेखा के अनुसार उनकी आय अभिप्रेत है जिसमें आयकर अधिनियम के अधीन कटौती के रूप में अनुज्ञात न किया जाने योग्य किसी रिजर्व या उबन्ध की रकम जाड़ दी गई है और निम्नलिखित घटा दी गई है,—

(क) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) और कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) के अधीन इस प्रकार ब्याई गई आय की तारीख से कोई कर, और

(ख) कम्पनी की अधिमानी शेयर पूंजी की बाबत लाभांशों के संशय के लिए उक्त लेखा वर्ष के लाभों में से कम्पनी द्वारा अलग रखी गई कोई रकम ;

(5) “दायित्वों” के अन्तर्गत कम्पनी के सभी ऋण हैं किन्तु निम्न-लिखित नहीं है—

(क) साधारण शेयरों की बाबत समारंभ पूंजी ;

(ख) अधिमानी शेयरों और साधारण शेयरों पर लाभांशों के संशय के लिए अलग रखी गई रकम तथा ऐसे लाभांश कम्पनी के साधारण निकाय के आविर्भाव में मूल्यांकन तारीख के पूर्व घोषित नहीं किए गए हैं ;

(ग) अवधारण के प्रयोजनार्थ अलग रखी गई आरक्षित में भिन्न कोई आरक्षित चाहे उसका कोई भी नाम हो ;

(घ) लाभ और हानि लेखे के जमा अतिशेष ;

(ङ) कराधान के लिए उपबन्ध के रूप में रखी गई कोई रकम उस सीमा तक जिस तक यह कम्पनी के बड़ी लाभ के प्रति-निर्देश से देय कर और लेखा वर्ष से सुसंगत निर्धारण वर्ष से ठीक पूर्व के वित्तीय वर्ष के दौरान संवत्त अधिम कर का रकम के बीच में अन्तर की रकम से अधिक है ;

(च) सचयी अधिमानी शेयरों की बाबत देय लाभांशों की बकाया से भिन्न समाहित दायित्वों के रूप में रखा गई कोई रकम ।

(2) किसी समतुल्यगी कम्पनी के कोट न किए गए साधारण शेयर के मूल्य का निम्नलिखित उपधारा के साथ उपनियम (1) के उपबन्धों के अनुसार मूल्यांकन किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) खण्ड (1) में “उसकी सभी आयुक्तियों के मूल्य में से” शब्दों के पश्चात् “जो उनकी, यदि मूल्यांकन तारीख को उनका बाजार में विक्रय किया जाता तो प्राप्त होता या यदि किन्हीं आस्तियों के मूल्यांकन के लिए कोई नियम बनाए जाते हैं तो उस नियम के अनुसार निकाले गए मूल्य पर” शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे ;

(ख) उपनियम (1) के खण्ड (झ) के अनुसार निकाली गई शुद्ध रकम की कम्पनी के संचयित लाभ के पच्चीस प्रतिशत के बराबर रकम में से, जो कि तुलन पत्र में धारक कम्पनी को लाभांशों के वितरण पर अनुमानित कर दायित्व के रूप में दर्शित है, और कटौती की जाएगी ।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनार्थ—

(i) संचयित लाभ का बही अर्थ होगा जो उसका आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड 22 के स्पष्टीकरण 2 में है, जहाँ तक उसका संबंध उस खण्ड के उपखण्ड (ग) से है,

(ii) "गहनतुल्यता कम्पनी" का वही अर्थ होगा जो उसका कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के उपखण्ड (ii) में है।

(3) इस नियम की कोई भी बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी—

(क) जहाँ मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए धन कर अधिकारी की, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) के पूर्वनिर्णय में, यह राय है कि ऐसे मामले में इस नियम के उपबन्धों को लागू करना व्यवहार्य या वास्तविक नहीं है;

(ख) जहाँ उपनियम (1) के स्पष्टीकरण के खण्ड (iii) में निर्दिष्ट कम्पनी के तुलनपत्र की तारीख और मूल्यांकन तारीख के बीच कम्पनी की साधारण शेयर पूंजी में वृद्धि या कमी हुई है;

(ग) 1 अप्रैल, 1982 के पूर्व प्रारम्भ होने वाले किसी निर्धारण वर्ष को।

विनिधान कम्पनियों के कोट न किए गए शेयरों का मूल्यांकन

18 (1) धारा 7 की उपधारा (1) के प्रयोजनार्थ किसी विनिधान कम्पनी के कोट न किए गए शेयरों का मूल्यांकन निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जाएगा, अर्थात्—

(i) सभी दायित्वों के मूल्य की, जिनके अन्तर्गत ऐसे दायित्व भी हैं जो कम्पनी के तुलनपत्र में दर्शाए नहीं हैं, उसकी सभी आस्तियों के उस मूल्य में से, जो उनकी यदि मूल्यांकन तारीख को उनका बाजार में विक्रय किया जाता तो प्राप्त होता, या यदि किसी आस्तियों के मूल्यांकन के लिए कोई नियम बनाए जाने है तो ऐसे नियम के अनुसार अवधारित मूल्य पर कटौती की जाएगी;

(ii) खण्ड (i) के अनुसार निकाली गई शुद्ध रकम को, तुलनपत्र में दर्शाए समस्त साधारण शेयर पूंजी की कुल रकम से विभाजित किया जाएगा;

(iii) खण्ड (ii) के अनुसार निकाली गई रकम जो प्रत्येक साधारण शेयर के समान मूल्य से गुणा की गई होगी, विनिधान कम्पनी के कोट न किए गए साधारण शेयर का मूल्य होगी।

(2) इस नियम में अन्तर्लिखित कोई बात 1 अप्रैल, 1982 से पहले प्रारम्भ होने वाले निर्धारण वर्ष को लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरण—नियम 18 और इस नियम के प्रयोजनार्थ यदि भारत में किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर साधारण शेयर की बाबत कोई कोंटेशन या स्थिति नियम 18 या इस नियम के उपबन्धों के अनुसार निकाले गए मूल्य के दो तिहाई से कम है, तो ऐसा शेयर, कोट न किया गया शेयर समझा जाएगा।

[म० 4194/का० सं० 155(84)/79 टीपीएल]

एम०एन० शेडे, निदेशक (टीपीएल)
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 1981

WEALTH-TAX

S.O. 674(E).—The following draft of certain rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, which the Central Board of Direct Taxes proposes to make in exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957

(27 of 1957), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the 15th October, 1981.

Any objection or suggestion which may be received from any person with reference to the said draft rules before the said date will be considered by the Central Board of Direct Taxes.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1982.

2. In the Wealth-tax Rules, 1957,—

(a) in rule 1A,—

(1) in clause (g), after the words 'and "income from other sources"', the words "or whose assets comprise mainly of assets, such as, land, building, bullion, jewellery, shares, stocks and securities" shall be inserted;

(2) for clause (1), the following clauses shall be substituted, namely:—

'(1) "share regularly quoted on the stock exchange", in relation to an equity share or a preference share of a company means—

(i) a share quoted on any recognised stock exchange in India with regularity from time to time; and

(ii) the quotations of such share are based on current transactions made in the ordinary course of business;

(3) "unquoted share" means an equity share or a preference share which is not regularly quoted on any recognised stock exchange in India and includes a share deemed to be an unquoted share under the Explanation to rule 1E;—

(b) for rule 1D, the following rules shall be substituted, namely:—

Valuation of unquoted equity shares of companies other than investment companies.

1D (1) for the purposes of sub-section (1) of section 7, the value of an unquoted equity share of a company, other than an investment company shall be determined in the following manner, namely:—

(i) the value of all the liabilities as shown in the balance sheet of such company shall be deducted from the value of all its assets as shown in the balance sheet;

(ii) the net amount as arrived at in accordance with clause (i) shall be divided by the total amount of its paid-up equity share capital as shown in the balance sheet;

(iii) the amount as arrived at in accordance with clause (ii) shall be multiplied by the paid-up value of each equity share and the resultant amount shall be the break-up value of such share;

(iv) the break-up value of the share so arrived at in accordance with clause (iii) shall be reduced or increased, as the case may be, by an amount calculated as hereunder to arrive at the value

of the unquoted equity share of the company, namely :—

- (a) Where the average distributable income does not exceed five percent. of the paid-up capital and reserves the break-up value shall be reduced by an amount equal to twenty per cent. thereof ;
- (b) where the average distributable income exceeds five percent. but does not exceed ten percent. of the paid-up capital and reserves the break-up value shall be reduced by an amount equal to ten per cent. thereof ;
- (c) where the average distributable income exceeds ten percent. but does not exceed twenty percent. of the paid-up capital and reserves the break-up value shall be increased by an amount equal to ten per cent. thereof ;
- (d) where the average distributable income exceeds twenty percent. of the paid-up capital and reserves the break-up value shall be increased by twenty per cent. thereof.

Explanation.—For the purposes of this rule and rule 1E,—

- (i) “assets” includes property of every description; movable or immovable, owned by the company, but does not include—
 - (a) any amount paid as advance tax under section 209A or section 210 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ;
 - (b) any amount shown in the balance sheet including the debit balance of the profit and loss account or the profit and loss appropriation account which does not represent the value of any assets ;
- (ii) “average distributable income” means the average of the distributable income of the company for the accounting year ending with the valuation date for which the relevant balance sheet has been drawn up and the distributable income of two immediately preceding accounting years ;
- (iii) “balance sheet”, in relation to any company, means the balance sheet of such company as drawn up on the valuation date and where there is no such balance sheet, the balance sheet drawn up on a date immediately preceding the valuation date and in the absence of both, the balance sheet drawn up on a date immediately after the valuation date ;
- (iv) “distributable income”, in relation to an accounting year of a company, means its income as per its profit and loss account of that year as increased by the amount of any reserves or provisions not allowable as a deduction under the Income-tax Act and as reduced by—
 - (a) any tax payable in respect of the income of increased under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964) ; and
 - (b) any amount set apart by the company out of the profits of the said accounting year for payment of dividends in respect of its preference share capital ;
- (v) “Liabilities” includes all debts owed by a company but does not include—
 - (a) the paid-up capital in respect of equity shares ;
 - (b) the amount set apart for payment of dividends on preference shares and equity shares where such dividends have not been declared before the valuation date at a general body meeting of the company .

- (c) reserves, by whatever name called other than those set apart towards depreciation ;
- (d) credit balance of the profit and loss account ;
- (e) any amount representing provision for taxation to the extent it exceeds the amount representing the difference between the tax payable with reference to the book profits of the company and the amount of advance tax paid during the financial year immediately preceding the assessment year relevant to the accounting year ;
- (f) any amount representing the contingent liabilities other than arrears of dividends payable in respect of cumulative preference shares.

(2) The value of unquoted equity share of a subsidiary company shall be valued in accordance with the provisions of sub-rule (1), with the following modifications, namely :—

- (a) in clause (i), after the words “value of all its assets”, the words “which they would fetch if sold in the market on the valuation date, or in case any rules are made for the valuation of any asset, at the value arrived at in accordance with such rule” shall be inserted ;
- (b) the net amount as arrived at in accordance with clause (i) of sub-rule (1) shall be further reduced by an amount equal to twenty-five per cent of the accumulated profits of the company as appearing in the balance sheet by way of notional tax liability on the distribution of dividends to the holding company.

Explanation.—For the purposes of this sub-rule,—

- (i) “accumulated profits” shall have the meaning assigned to it in Explanation 2 to clause (22) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) so far as it relates to sub-clause (c) of that clause ;
 - (ii) “subsidiary company” shall have the meaning assigned to it in sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (1) of section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
- (3) Nothing contained in this rule shall apply—
- (a) where, having regard to the facts and circumstances of the case, the Wealth-tax Officer, with the previous approval of the Inspecting Assistant Commissioner, is of the opinion that it would not be practicable or realistic to apply the provisions of this rule to such a case ;
 - (b) where there is an increase or reduction in the equity share capital of the company between the date of the balance sheet of the company referred to in clause (iii) of the Explanation to sub-rule (1) and the valuation date ;
 - (c) to any assessment year commencing before the 1st day of April, 1982.

Valuation of unquoted shares of investment companies.

1E(1) for the purposes of sub-section (1) of section 7, the valuation of an unquoted equity share of an investment company shall be determined in the following manner, namely :—

- (i) the value of all the liabilities including such liabilities which are not reflected in the balance sheet of the company shall be deducted from the value of all its assets which they would fetch if sold in the market on the valuation date, or in case any rules are made for the valuation of any asset, at the value so determined in accordance with such rule ;
- (ii) the net amount as arrived at in accordance with clause (i) shall be divided by the total amount of its paid-up equity share capital as shown in the balance sheet ;

(iii) the amount as arrived at in accordance with clause (ii) as multiplied by the paid-up value of each equity share shall be the value of the unquoted equity share of an investment company.

(2.) Nothing contained in this rule shall apply to any assessment year commencing before the 1st day of April, 1982.

Explanation.—For the purposes of rule 1D and this rule, where the quotation in respect of any equity share on a reco-

gnised stock exchange in India is found to be less than two-thirds of the value arrived at in accordance with the provisions of rule 1D or this rule, as the case may be, such a share shall be deemed to be an unquoted share.

[No. 4194/F. No. 155(84)/79-TPL]

S. N. SHENDE, Director (TPL)
Central Board of Direct Taxes

